अशिक्षित युवाओं को एसीसी ने दिया कौशल प्रशिक्षण

कैमोर, देशबन्धु। एसीसी सी.एस.आर. "दिशा" परियोजना के अन्तर्गत हेड हेल्ड हाई फाउन्डेशन, बैंगलोर की मदद से 'जीवन कौशल प्रशिक्षण' के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों के 18 से 32 वर्षीय शाला त्यागी एवं अशिक्षित युवाओं को 6 माह तक निःशुल्क प्रशिक्षण से रोजगार हेतु तैयार करने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रशिक्षण में अंग्रेजी भाषा एवं कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान के साथ साथ व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, परस्पर संवाद, नेतृत्व एवं साक्षात्कार कुशलता भी सम्मिलित है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि युवाओं का इस तरह तैयार किया जाए कि वे विभिन्न कम्पनियों के लिए कार्य करने योग्य बन सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों हेतु बिग बाजार कटनी व ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कटनी में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किये गये। सी.एस.आर. दिशा सेंटर, कैमोर पर प्रशिक्षार्थियों के 6 माह के प्रशिक्षण उपरान्त सभी 30 युवाओं को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में एसीसी के डायरेक्टर प्लांट सुमित चड्ढ, आपरेशन प्लान्ट हेड पंकज वर्मा, हेड फाइनेंस पी.के.मोहंती एवं एसीसी लेडीज क्लब उपाध्यक्ष श्रीमती चेतना वर्मा के हाथों प्रमाण पत्र दिये गये, साथ ही बिग बाजार, कटनी द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी दिये गये।

कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन प्रशिक्षार्थियों द्वारा ही किया गया। जहाँ युवाओं ने प्रशिक्षण उपरान्त उनके जीवन में आये परिवर्तन एवं अनुभवों का व्याख्यान अंग्रेजी में किया वहीं अभिभावकों द्वारा भी 6 माह के प्रशिक्षण से युवाओं में आये सकारात्मक बदलावों को बताया गया एवं एसीसी के इस अनुपम प्रयास की कोटिशः सराहना की गयी। 6 माह के प्रशिक्षण पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। युवाओं में आये बदलावों एवं उनके प्रस्तुतियों से सभी अतिथियों ने उन्हें प्रोत्साहित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रशिक्षणोंपरान्त अब तक 10 युवाओं का चयन वर्धमान फेब्रिक्स, बुदनी म.प्र. में मशीन आपरेटर पद पर एवं 9 युवाओं का चयन शैल पेट्रोल पंप, बैंगलोर में हुआ है। प्रशिक्षार्थियों में से 15 युवक एवं 15 युवतियाँ हैं जिनमें से 13 युवा बरापार, नगर परिषद वार्ड क्रमांक 07 आदिवासी बस्ती, कैमोर से हैं। प्रथम बेच की सफलता उपरान्त कैमोर के आसपास के युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने हेतु एसीसी लिमिटेड, कैमोर सीमेन्ट वर्क्स एवं एचएचएचएफ फाउंडेशन बैंगलोर के द्वारा इस तरह के प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगें।